डॉ. कुँवर विजय शाह

मंत्री
वन विभाग म.प्र. शासन

क्रमांक 218 मंत्री/वन/

दिनांक 30/06/2021

हरियाली महोत्सव – 2021

संदेश

जन समुदाय में पौधारोपण के प्रति चेतना जाग्रत करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष हरियाली महोत्सव मनाया जाता है। प्रदेश को वन समृद्ध बनाने के लिए वन संसाधनों को बेहतर प्रबंधन आवश्यक है।

माननीय मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के कुशल नेतृत्व में राज्य शासन ने वनों के संवहनीय विकास के साथ ग्रामवासियों को वनोपज पर आधारित रोजगार के नये अवसर उपलब्ध कराने पर विशेष बल दिया है। संयुक्त वन प्रबंधन समितियों द्वारा वनों की सुरक्षा और विकास के कार्यों में पारदर्शिता लाने के साथ ही ग्रामीणों की सहभागिता को व्यापक करने के लिए अनेक नीतिगत निर्णय लिए गए है। निजी क्षेत्र में पौधारोपण को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रयास किये जा रहे हैं।

माननीय मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रतिदिन एक पौधा लगाने की अभिनव पहल की है। जनसाधारण पर इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ने के साथ ही पौधारोपण के प्रति उनमें जागरूकता भी बढ़ी है।

आप सभी से अनुरोध है कि वन संरक्षण और विकास की योजनाओं में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करें। पौधारोपण के लिए उपयुक्त पौधे निकटतम वन रोपणी से प्राप्त कर सकते हैं। इस कार्य में पंचायत संस्थाओं, शिक्षण तथा स्वैच्छिक संगठनों की महत्ती भूमिका है।

हरियाली महोत्सव की सफलता के लिए शुभकामनाएं।

(डॉ. कुँवर विजय शाह)
मंत्री, वन
मध्य प्रदेश शासन

भोपाल : बी-21, चार इमली, भोपाल
मंत्रालय फोन नं. : 0755-2708390, निवास : 0755-2441081, 2441377
खण्डवा : सी- 11, नर्मदा सागर कॉलोनी, हरसूद नाके के पास, खण्डवा (म.प्र.) फोन : 07333-222690

क्र. 686 /मुमंका/2021
दिनांक 23/06/2021

शिवराज सिंह चौहान
मुख्य
मध्य

सन्देश

प्रदेश में पौधा रोपण के प्रति जन साधारण में जागरूकता लाने के लिए प्रतिवर्ष हरियाली महोत्सव मनाया जाता है। प्रदेश में वन सम्पदा के निरंतर विकास तथा वनों की सुरक्षा के लिए अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं, किन्तु मात्र शासन के प्रयासों से इन योजनाओं से अपेक्षित परिणाम मिलना संभव नहीं है। प्रदेश को हरा-भरा बनाने की दिशा में जन साधारण की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है।

प्रदेश की वन नीति का मुख्य आधार वनों के बेहतर प्रबंधन से पर्यावरण संरक्षण तथा स्थानीय ग्राम समुदाय को रोजगार उपलब्ध कराना है। वन प्रबंधन में ग्रामीणों की सहभागिता को अधिक व्यावहारिक और पारदर्शी बनाने तथा संयुक्त वन प्रबंधन प्रणाली को सुदृढ़ करने के लिए कानूनी आधार देने की व्यवस्था की गई है। इसके तहत बिगड़े हुए संरक्षित एवं आरक्षित वनों का प्रबंधन ग्राम सभा द्वारा गठित ग्राम वन समिति के माध्यम से किया जाएगा।

प्रदेशवासियों से अनुरोध है कि हरियाली महोत्सव को जन आंदोलन का स्वरूप देतु हुए पौधारोपण के साथ ही पौधों की सुरक्षा भी करें। राज्य के हरित क्षेत्र में वृद्धि कर प्रदेश के पर्यावरण को स्वच्छ रखने व प्रकृति को को प्राणवायु से समृद्ध करने के उद्देश्य से जनसहभागिता के साथ व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण का "अंकुर कार्यक्रम" प्रारंभ किया गया है। मेरी अपील है कि आप इस कार्यक्रम से सक्रिय होकर जुटें एवं विभिन्न अवसरों पर वृक्ष लगाएं।

(शिवराज सिंह चौहान)